
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
12th HISTORY
ARJUN BATCH
संविधान का निर्माण
अध्याय-12 | भाग-04
17 सितंबर 2026 || 04:00 PM
CONSTITUTION OF INDIA
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

केन्द्र v/s राज्य

ताकत	↑	↓	✓ UK
ताकत	↓	↑	✓ USA
ताकत	=	=	



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

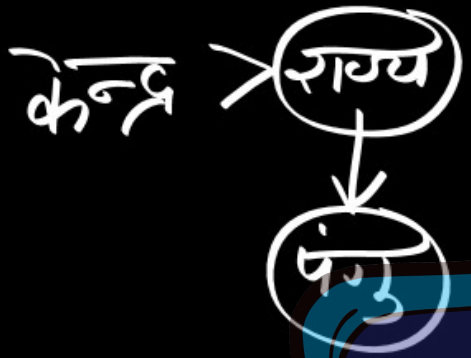

केन्द्र बिखर जायेगा

- के. संथानम ने राज्यों के अधिकारों की हिमायत की।
- के. संथानम ने कहा कि अगर केन्द्र के पास जरूरत से ज्यादा जिम्मेदारियां होंगी तो वह प्रभावी ढंग से काम नहीं कर पाएगा।
- केन्द्र के कुछ दायित्वों में कमी करने से और उन्हें राज्यों को सौंप देने से केन्द्र ज्यादा मजबूत हो सकता है।
- शक्तियों का मौजूदा वितरण उनको पंगु बना देगा।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

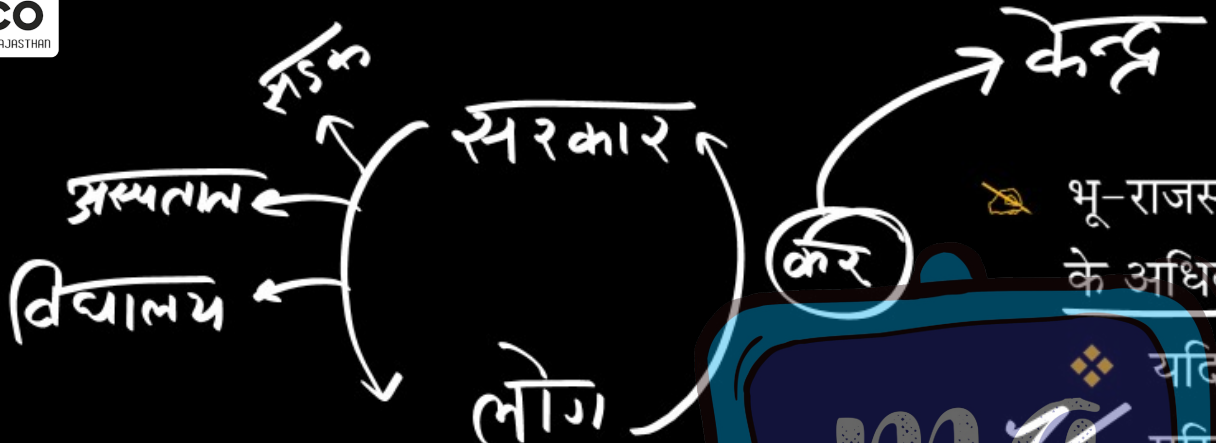

- भू-राजस्व के अलावा ज्यादातर कर केन्द्र सरकार के अधिकार में दे दिए गए हैं।
- यदि पैसा ही नहीं होगा तो राज्यों में विकास परियोजनाऐं कैसे चलेंगी ?
- संथानम :- मैं ऐसा संविधान नहीं चाहता जिसमें इकाई को आकर केन्द्र से कहना पड़े कि -

1. मैं अपने लोगों के लिए शिक्षा की व्यवस्था नहीं कर सकता,
2. मैं उन्हें साफ-सफाई नहीं दे सकता,
3. मुझे सड़कों में सुधार, उद्योगों की स्थापना के लिए खैरात दे दीजिए।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- उन्होंने कहा कि अगर पर्याप्त जाँच-पड़ताल के बिना शक्तियों का यह वितरण लागू किया गया तो हमारा भविष्य अंधकार में पड़ जायेगा।
- कुछ ही सालों में सारे प्रान्त ''केन्द्र के विरूद्ध'' उठ खड़े होंगे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आज हमें एक शक्तिशाली सरकार की आवश्यकता है

- प्रान्तों के लिए अधिक शक्तियों की मांग के लिए संविधान सभा में तीखी बहस हुई।
- शक्तिशाली केन्द्र की जरूरत को भी कई अवसरों पर रेखांकित किया जा चुका था।
- अम्बेडकर ने घोषणा की थी कि वे ''एक शक्तिशाली और एकीकृत केन्द्र'' चाहते हैं।

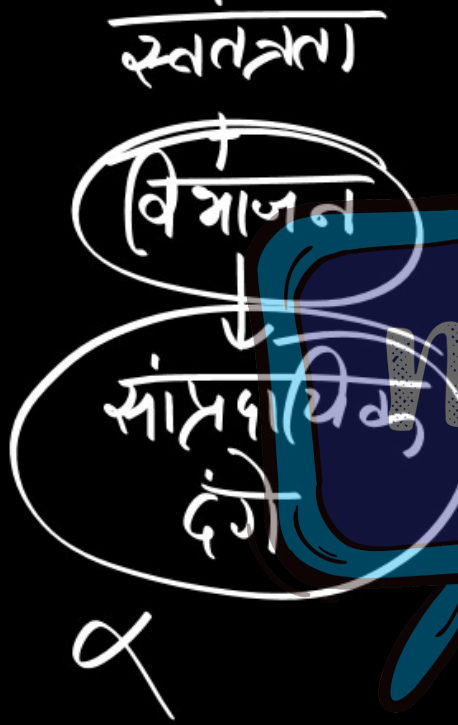

- सड़कों पर हो रही जिस हिंसा के कारण देश टुकड़े – टुकड़े हो रहा था, उसका हवाला देते हुए बहुत सारे सदस्यों ने केन्द्र की शक्तियों में भारी इजाफा करने की बात पर जोर दिया ताकि वह सांप्रदायिक हिंसा को रोक सके।
- गोपाल स्वामी अय्यर ने जोर देकर कहा कि ''केन्द्र ज्यादा से ज्यादा मजबूत होना चाहिए।''

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

बालकृष्ण शर्मा ने कहा कि एक शक्तिशाली केन्द्र का होना जरूरी है ताकि –

- वह देश के हित में योजना बना सके।
- उपलब्ध आर्थिक संसाधनों को जुटा सके।
- एक उचित शासन व्यवस्था स्थापित कर सकें।
- और देश को विदेशी आक्रमण से बचा सकें।

अतः भारत में राज्यों की अपेक्षा केन्द्र ज्यादा मजबूत स्थिति में दिखाई देता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q. संविधान सभा के सदस्यों की केंद्र और राज्यों के बीच शक्ति विभाजन को लेकर क्या सोच थी?



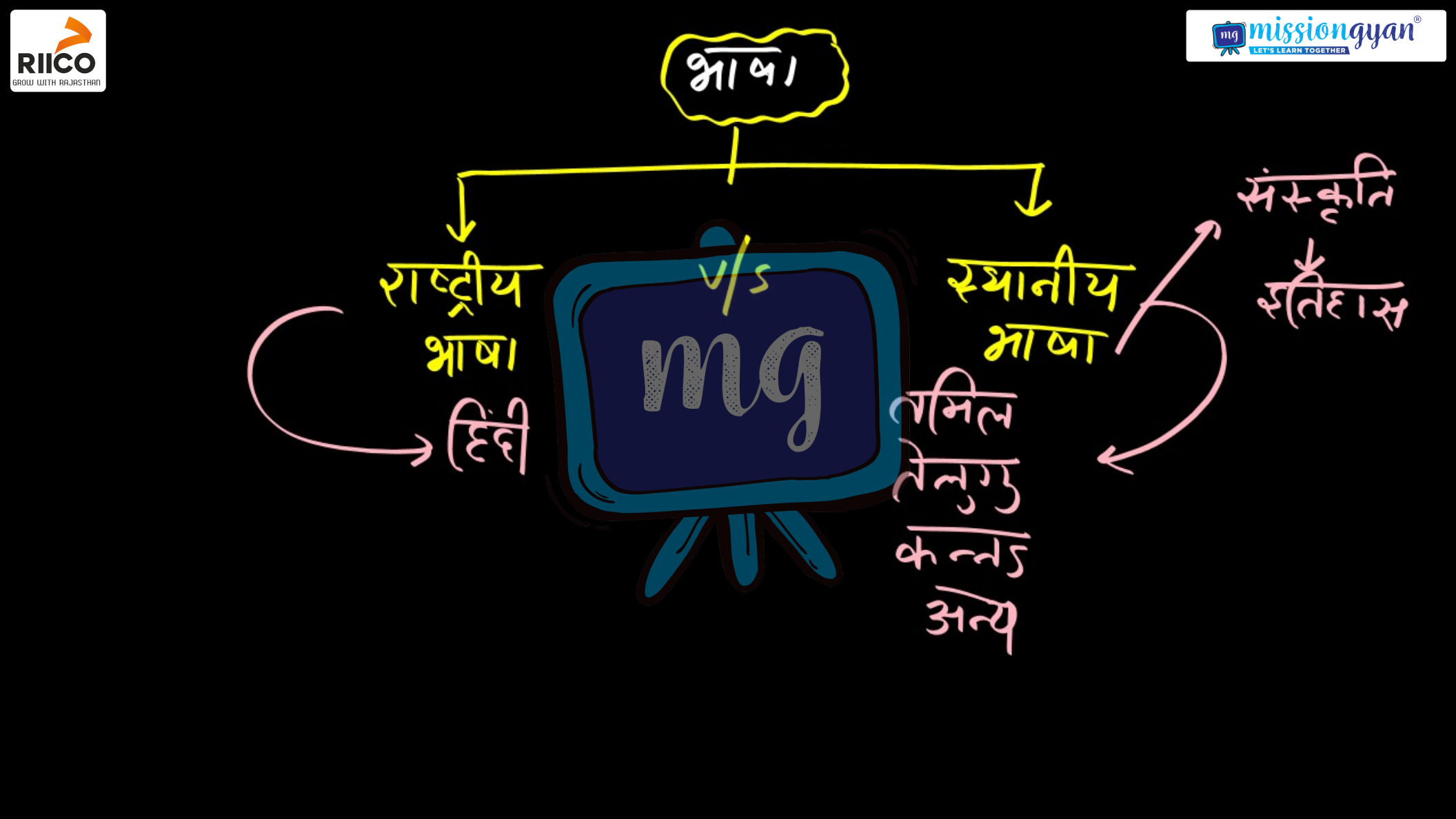
भाषा
राष्ट्रीय भाषा
हिंदी
v/s
mg
स्थानीय भाषा
तमिल
तेलुगु
कन्नड
अन्य
संस्कृति
इतिहास

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

राष्ट्र की भाषा

- भारत एक विशाल देश है, देश के विभिन्न भागों में लोग अलग-अलग भाषाएं बोलते हैं।
- काफी लोग एक -दूसरे की भाषा भी नहीं समझते।
- ऐसी स्थिति में देश की राष्ट्रभाषा क्या हो?
- इस मुद्दे पर संविधान सभा में कई दिनों तक बहस चली, कई बार काफी तनातनी भी पैदा हो गयी।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER




mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- महात्मा गाँधी जी का मानना था कि हरेक को एक ऐसी भाषा बोलनी चाहिए जिसे लोग आसानी से समझ सकें।
- हिन्दी और उर्दू के मेल से बनी हिंदुस्तानी भारतीय लोगों द्वारा सबसे ज्यादा बोली जाती थी।
- गाँधी जी को लगता था कि यह भाषा हिन्दू और मुसलमानों को, उत्तर और दक्षिण के लोगों को एकजुट कर सकती है।
- लेकिन उन्नीसवीं सदी के आखिर से एक भाषा के रूप में हिन्दुस्तानी धीरे-धीरे बदल रही थी।

- जैसे-जैसे साम्प्रदायिक टकराव गहरे होते जा रहे थे, हिंदी और उर्दू एक दूसरे से दूर होती जा रही थी।
- नतीजा यह हुआ कि भाषा भी धार्मिक पहचान की राजनीति का हिस्सा बन गई।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

हिन्दी की हिमायत

आर. वी. घुलेकर – संयुक्त प्रांत के कांग्रेसी सदस्य थे।

हिन्दी को संविधान निर्माण की भाषा के रूप में इस्तेमाल किया जाए।

❖ लेकिन संविधान सभा के सभी सदस्य हिन्दी नहीं समझते थे।

इस सदन में जो लोग हिन्दुस्तानी नहीं जानते वे इस सभा की सदस्यता के पात्र नहीं है। उन्हें चले जाना चाहिए।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

संविधान सभा की भाषा समिति की रिपोर्ट :-

- राष्ट्रीय भाषा के सवाल पर हिंदी के समर्थकों और विरोधियों की बीच पैदा हुए गतिरोध को तोड़ने के लिए एक फार्मूला पेश किया ।
- देवनागरी लिपि में लिखित हिन्दी भारत की राजकीय भाषा होगी।
- पहले 15 साल तक सरकारी कामों में अंग्रेजी का इस्तेमाल जारी रहेगा।
- प्रत्येक प्रान्त को अपने कामों के लिए एक क्षेत्रीय भाषा चुनने का अधिकार होगा।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- संविधान सभा ने हिन्दी को राष्ट्रभाषा की बजाय राजभाषा कहकर सर्वस्वीकृत समाधान पेश करने का प्रयास किया था।
- लेकिन आर.वी. धुलेकर बीच बचाव की ऐसी मुद्रा से राजी होने वाले नहीं थे।
- वे चाहते थे कि हिन्दी को राजभाषा नहीं बल्कि राष्ट्रभाषा घोषित किया जाये।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

वर्चस्व का भय

श्रीमती जी. दुर्गाबाई – मद्रास

- दक्षिण में हिंदी का विरोध बहुत ज्यादा है।

"विरोधियों का यह मानना संभवतः सही है कि हिंदी के लिए हो रहा यह प्रचार प्रांतीय भाषाओं की जड़ें खोदने का प्रयास है....."

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

राष्ट्रीय भाषा की क्या विशेषताएँ होनी चाहिए?

अपनी मृत्यु से कुछ माह पहले महात्मा गाँधी ने भाषा के प्रश्न पर अपने विचार दोहराते हुए कहा था :

यह हिंदुस्तानी न तो संस्कृतनिष्ठ हिंदी होनी चाहिए और न ही फ़ारसीनिष्ठ उर्दू। यह दोनों का सुंदर मिश्रण होना चाहिए। उसे विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं से शब्द खुलकर उधार लेने चाहिए। विदेशी भाषाओं के ऐसे शब्द लेने में कोई हर्ज नहीं है जो हमारी राष्ट्रीय भाषा में अच्छी तरह और आसानी से घुलमिल सकते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



इस प्रकार हमारी राष्ट्रीय भाषा एक समृद्ध और शक्तिशाली भाषा होनी चाहिए जो मानवीय विचारों और भावनाओं के पूरे समुच्चय को अभिव्यक्ति दे सके। खुद को हिंदी या उर्दू से बाँध लेना देशभक्ति की भावना तथा समझदारी के विरुद्ध एक अपराध होगा।

हरिजन सेवक, 12 अक्तूबर 1947

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

1945-46 चुनाव (प्रान्तीय सभा)

1946 - कैबिनेट मिशन

लोग → प्रान्तीय सभा (MLA)

→ संविधान

संविधान सभा → सदस्य

1- 9 Dec 1946

2- 11-18

11- 26 Nov 1949

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

सदस्य

1. अध्यक्ष - Dr. R. प्रसाद
2. मसौदा समिति
   ↳ Dr. BR. अम्बेडकर
3. J.L.N
4. सरदार पटेल

उद्देश्य प्रस्ताव → J.L.N

↓

विचारधारा
मूल भावना

↓

प्रस्तावना



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. पूजीवाद - समाजवादी
2. अल्पसंख्यको
   - धर्म
   - जनजाति
   - दमित
   - गरीब
   - महिला



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

(2) केन्द्र ✓ राज्य ✓

(3) भाषा



(4) अन्य → अधिकार ८
→ दायित्व ५

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

(संस्कृत) हिन्दी हिन्दुस्तानी उर्दू (फारसी)

X X





संविधान सौंपते हुए बी. आर. अम्बेडकर और राजेन्द्र प्रसाद एक दूसरे को बधाई देते हुए।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

काल रेखा

1945	
26 जुलाई	ब्रिटेन में लेबर पार्टी की सरकार सत्ता में आती है।
दिसंबर–जनवरी	भारत में आम चुनाव
1946	
16 मई	कैबिनेट मिशन अपनी संवैधानिक योजना की घोषण करती है।
16 जून	मुस्लिम लीग कैबिनेट मिशन की संवैधानिक योजना पर स्वीकृति देती है।
16 जून	कैबिनेट मिशन केन्द्र में अंतरिम सरकार के गठन का प्रस्ताव पेश करता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

काल रेखा	
1946	
2 सितंबर	कांग्रेस अंतरिम सरकार का गठन करती है जिसमें नेहरू को उपराष्ट्रपति बनाया जाता है।
13 अक्टूबर	मुस्लिम लीग अंतरिम सरकार में शामिल होने का फैसला लेती है।
3–6 दिसंबर	ब्रिटिश प्रधानमंत्री एटली कुछ भारतीय नेताओं से मिलते हैं। इन वार्ताओं का कोई नतीजा नहीं निकलता।
9 दिसंबर	संविधान सभा के अधिवेशन शुरू हो जाते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

काल रेखा

1947	
29 जनवरी	मुस्लिम लीग संविधान सभा को भंग करने की मांग करती है।
16 जुलाई	अंतरिम सरकार की आखिरी बैठक
11 अगस्त	जिन्ना को पाकिस्तान की संविधान सभा का अध्यक्ष निर्वाचित किया जाता है।
14 अगस्त	पाकिस्तान की स्वतंत्रता : कराची में जश्न
14–15 अगस्त मध्यरात्रि	भारत में स्वतंत्रता का जश्न
1949	
दिसंबर	संविधान पर हस्ताक्षर